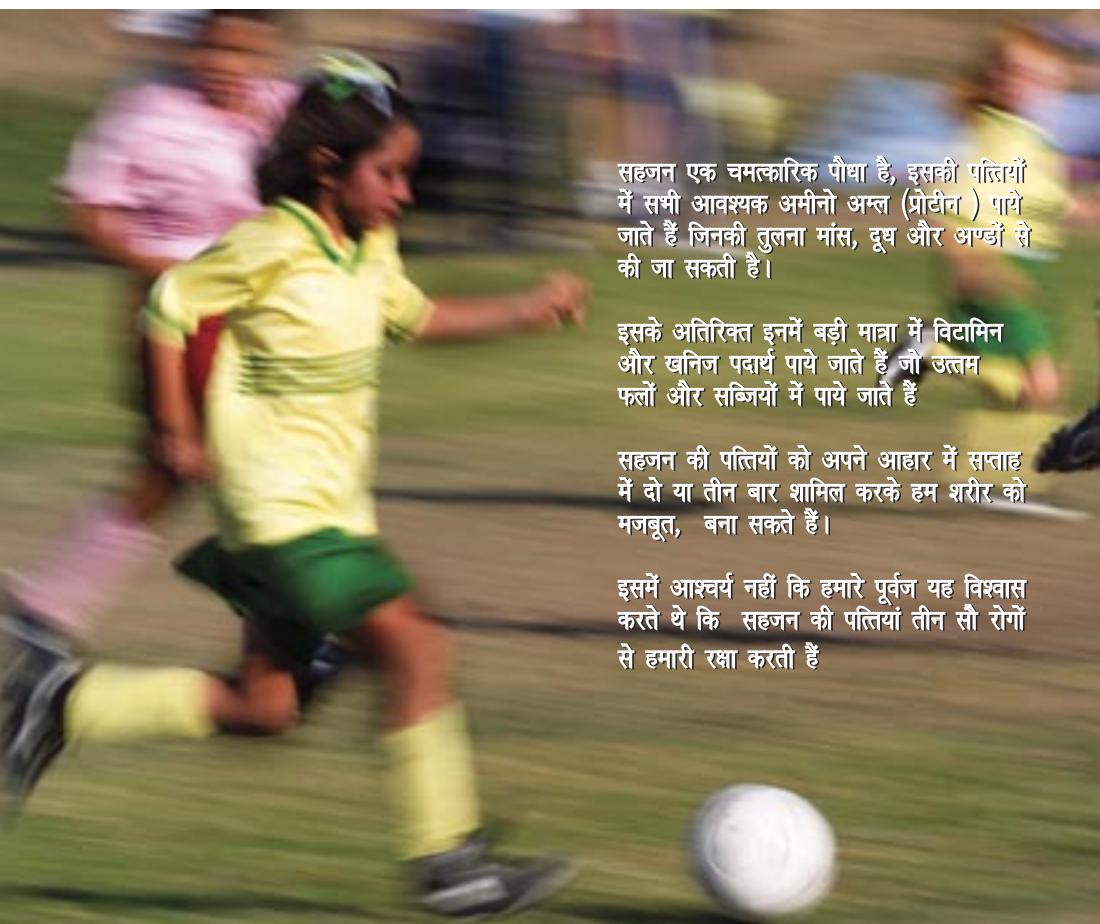


बहुत सारे विटामिन आपके द्वार पर



उगाने में आसान

- बीजों व कलमों द्वारा
- किसी भी प्रकार की मिट्टी में उगा सकते हैं।
- बहुत कम देख भाल की जरूरत
- बहुत कम पानी की जरूरत
- आठ महीनों में फल व पत्तियां तैयार
- पी0 के0 एम0 1 किस्म भारत में विकसित की गयी है। जिस पर कीड़े नहीं लगते।

उपयोग में आसान

- ताजी या सुखी पत्तियों को किसी भी भोजन में प्रयोग करें।
- पत्तियों को छाया में सुखा कर रख लें।

www.treesforlife.org



Trees for Life
3006 W. St. Louis,
Wichita, KS 67203-5129 USA
Phone: (316) 945-6929
Fax: (316) 945-0909
moringa@treesforlife.org

ट्रीज फॉर लाइफ - संस्था लोगों को सशक्त करती है - यह प्रदर्शित करके कि एक दूसरे की मदद करने से हम असाधारण शक्ति को प्राप्त कर सकते हैं, जिसका हमारे जीवन पर अमिट प्रभाव पड़ता है।

यह महत्वपूर्ण जानकारी आपको इस संस्था द्वारा उपलब्ध करवायी गयी है:



एक पुरानी कहावत है सहजन की पत्तियां तीन सौ रोगों से बचाव करती हैं।

विज्ञान द्वारा यह सिद्ध हो रहा है कि सहजन की पत्तियां चमत्कारिक पोषण से परिपूर्ण हैं।

विटामिन सी संतरे से 7 गुना



=

विटामिन ए गाजर से 4 गुना



कैल्शियम दूध से 4 गुना



पोटैशियम केले से 3 गुना



प्रोटीन दही से 2 गुना



ग्राम से ग्राम पौ-टक तत्वों की जानकारी की तुलना सी. गोपालन की पुस्तक भरतीय भोजन के पौ-टक गुण से ली गयी है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - www.treesforlife.org/moringa

विटामिन सी हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और संक्रमित रोगों जैसे जुखाम व लू से हमारी रक्षा करता है संतरे और नींबू विटामिन सी से परिपूर्ण है किन्तु सहजन की पत्तियों में यह इनसे अधिक होता है।

विटामिन ए आंखों त्वचा व दिल, के अन्य अनेकों रोगों से बचाव करता है। गाजर में विटामिन ए बहुत होता है लेकिन सहजन की पत्तियों में यह इससे अधिक होता है।

कैल्शियम हड्डियों और दांतों को मजबूती प्रदान करता है और ओस्टियोपेरिसीस को रोकने में मदद करता है, दूध में बहुत अधिक कैल्शियम होता है। किन्तु सहजन की पत्तियों उससे भी अधिक कैल्शियम से भरपूर हैं।

दिमाग व शिराओं के विकास के लिए पोटैशियम अतिआवश्यक है, केला पोटैशियम का एक उत्तम श्रोत है लेकिन सहजन की पत्तियों उससे भी बेहतर हैं।

प्रोटीन जो कि अमीनों अम्ल से बना हुआ है हमारे शरीर को बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है यह प्रायः मांस, आँड़े और दूध में पाया जाता है। आश्वर्यजनक रूप से यह सहजन की पत्तियों में बहुतायत में उपलब्ध है।